हिंदी विश्वविद्यालय में बी.एड.-एम.एड. प्रारंभ

उत्कृष्टता के विकास का आधार बनेगा विभाग- प्रो. अरबिंद कुमार झा

वर्धा, 3 मई 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का शिक्षा विद्यापीठ विश्वविद्यालय की अकादमिक शाखाओं में अपेक्षाकृत एक नया परिवर्धन है जिसका प्रारंभ वर्ष 2014 में शिक्षाशास्त्र में दो-वर्षीय एम.ए. पाठ्यक्रम से हुआ था। अपितु शिक्षा विद्यापीठ ने अपेक्षाकृत बहुत कम समय में ही पर्याप्त विस्तार प्राप्त कर लिया है। वर्ष 2015 में शिक्षा विद्यापीठ में अकादमिक विस्तार के नए आयाम जुड़े जब शिक्षा विभाग में दो वर्षीय शिक्षा में स्नातक (बी.एड.) पाठ्यक्रम, तीन सेमेस्टर अवधि का शिक्षाशास्त्र में मास्टर ऑफ फ़िलॉसफ़ी (एम.फिल.) पाठ्यक्रम एवं शिक्षाशास्त्र में डॉक्टर ऑफ फ़िलॉसफ़ी (पीएचडी) पाठ्यक्रम का संचालन प्रारंभ हुआ।हाल ही में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ने शिक्षा विभाग को दो वर्षीय मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम.एड.) पाठ्यक्रम तथा तीन वर्षीय बी.एड.-एम.एड. एकीकृत पाठ्यक्रम को सत्र 2016-17 से प्रारंभ करने की स्वीकृति दी है। यह जानकारी शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अरबिंद कुमार झा ने दी।

प्रो. झा ने बताया कि शिक्षा विभाग के विभागीय पुस्तकालय में समुचित संख्या में पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ ग्रंथ, शोध पत्रिकाएँ तथा अन्य उपयुक्त पत्र-पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं। इसके साथ ही छात्रों को ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न शैक्षणिक व शोध संसाधनों का उपयोग करने के लिए निर्बाध वाई फ़ाई सुविधा उपलब्ध कराई गयी है। इसके अतिरिक्त शिक्षा विभाग ने प्रदर्शनकारी कलाओं के लिए विभिन्न वाद्ययंत्रों एवं संगीत के अन्य उपकरणों से परिपूर्ण एक समृद्ध संसाधन केंद्र की स्थापना की है।

वर्तमान अकादमिक सत्र में नए विषय और कार्यक्रम को लेकर पूछे गये सवाल पर उन्होंने कहा कि वर्तमान अकादमिक सत्र के दौरान शिक्षा विद्यापीठ ने 'सकारात्मक विद्यालयी शिक्षा' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, 'कक्षा एवं पाठ्यपुस्तकों से परे अधिगम की संस्कृति' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी, 'मूडल (MOODLE) की सहायता से ऑनलाइन पाठ्यक्रम का शिक्षण' विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला एवं अन्य विशेष व्याख्यान आदि का सफल आयोजन किया। विभिन्न राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं व समाचार पत्रों में विद्यापीठ के संकाय सदस्यों के शोध पत्र एवं आलेख प्रकाशित हुए हैं। इसके अतिरिक्त संकाय सदस्यों द्वारा प्रस्तावित विभिन्न शोध परियोजनाएं भी स्वीकृत हुई हैं।

भारत सरकार की परियोजनाओं के अंतर्गत विवि में चल रहे कार्यक्रम के अंतर्गत कौन से उपक्रम चलाए जा रहे है इसपर उनका कहना था कि राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के शिक्षकों, अध्येताओं, शोधवेत्ताओं एवं छात्रों के उपयोग हेतु पाठ्यक्रम, पाठ्यसामग्री

व शिक्षण शास्त्रीय प्रतिमान आदि के विकास के उद्देश्य से भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रारंभ की गयी महत्वाकांक्षी परियोजना 'पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन फॉर टीचर्स एंड टीचिंग' के अंतर्गत हाल ही में विश्वविद्यालय को 'टीचिंग लर्निंग सेंटर फॉर हिन्दी स्टडीज़' स्थापित करने की स्वीकृति मिली है। शिक्षा विद्यापीठ की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे शिक्षक प्रशिक्षकों एवं संकाय सदस्यों में उत्कृष्टता के विकास के लिए एक मजबूत आधार मिलेगा तथा ऐसे शिक्षकों, शोधकर्ताओं एवं विश्वसनीय व मौलिक चिंतकों का एक ऐसा वर्ग विकसित हो सकेगा जो भारतीय विरासत एवं संस्कृति के उत्कृष्ट अवयवों को हिन्दी भाषा एवं साहित्य की समकालीन शैक्षणिक आवश्यकताओं से जोड़ने में सक्षम होंगे।